www.a2zSubjects.com

PAPER-III
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 3 3 1 4

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

DOGARI
डोगरी
Paper – III
प्रश्नपत्र – III

नोट : इस पेपर च **पंच्हत्तर (75)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न । **सभनें** सुआलें दे परते देओ ।

1. व्याकरण –
(अ) वेद दे अंगें च नेईं औंदा ।
(ब) निरुक्त दे बाद ते पाणिनि कशा पैह्लें 57 व्याकरण लिखेगे ।
(स) दा भाशा दी समूलची रचना कन्नै सरबंध होंदा ऐ ।
(द) दा उद्देश्य काव्य आस्तै लय-ताल सरवाना होंदा ऐ ।
(A) (अ) ते (ब) ठीक न । (B) (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (ब) ते (द) ठीक न । (D) (अ) ते (द) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) की जे	(i) परिणाम सूचक
(ब) पर जेकर	(ii) काल सूचक
(स) तां गै	(iii) संकेत सूचक
(द) जदूं-तदूं	(iv) कार्यकारण सूचक

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(i)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

3. प्रकाशन-क्रम दे स्हाबें डोगरी शंब्दकोशें दा स्हेई क्रम ऐ :
(A) डोगरी-हिंदी डिक्शनरी, डोगरी डिक्शनरी, हिंदी-डोगरी डिक्शनरी
(B) हिंदी-डोगरी डिक्शनरी, डोगरी-हिंदी डिक्शनरी, डोगरी डिक्शनरी
(C) डोगरी डिक्शनरी, डोगरी-हिंदी डिक्शनरी, हिंदी-डोगरी डिक्शनरी
(D) डोगरी डिक्शनरी, हिन्दी-डोगरी डिक्शनरी, डोगरी-हिन्दी डिक्शनरी

4. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :
A मध्यकालीन भाशा-युगै च डोगरी दा सरबंध शौरसेनी प्राकृत कन्नै द्रिश्टीगोचर होंदा ऐ ।
R की जे डोगरी ध्वनि-विकास दा ढांचा शौरसेनी प्राकृत कन्नै इकदम मेल खंदा ऐ ।
(A) A ते R दोऐ ठीक न ।
(B) A ते ठीक पर R दा कारण मनासब नेईं ।
(C) R, A दा इकदम स्हेई कारण ऐ
(D) A पूरा ठीक ऐ ते R आंशिक तौरा पर

5. इं'दे च समूह्-सूचक विशेशन ऐ :
(A) त्रीना (B) त्रै-त्रै
(C) त्रैवै (D) त्रिया

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

6. डोगरी दे ध्वनिग्रामक ढांचे च –

(अ) व्यंजन ध्वनियें दी संख्या 34 ऐ । (ब) स्वर ध्वनियें दी संख्या 10 ऐ ।

(स) खंडेतर ध्वनियें दी संख्या 5 ऐ । (द) नासिक्य ध्वनियें दी संख्या 4 ऐ ।

(A) (अ) ते (स) ठीक न । (B) (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न । (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) दोइच ग्रामातिक	(i) बोप
(ब) धातु प्रकिया	(ii) विमल सरस्वती
(स) रूपमाला	(iii) ग्रिम
(द) महाभाष्य दीपिका	(iv) भर्तृहरि

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

8. काल, साधन, थाह्र, तुलना अर्थें दे स्हाबें इ'नें अव्ययें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) दे पिच्छें, दे पिच्छों, दे जरि'यै, दे कशा (B) दे कशा, दे जरि'यै, दे पिच्छें, दे पिच्छों

(C) दे पिच्छें, दे जरि'यै, दे कशा, दे पिच्छों (D) दे पिच्छों, दे जरि'यै, दे पिच्छें, दे कशा

9. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A डोगरी च संख्यावाचक विशेशनें दा प्रयोग मते रूपें च होंदा ऐ, जि'यां – चौथा, सतमां, अट्ठै, दस्सै, दूना, चरूना, केह्रा, त्रेह्रा, सतमंजला, बीह्, छब्बी बगैरा ।

R की जे संख्यावाचक विशेशन गिनतरी, सिलसला, आवृत्ति, समूह ते हर-इक दे अर्थें च प्रयुक्त होंदे न, इसकरी बीहू, छब्बी, चौथा, सतमां, दूना, चरूना, केह्रा, त्रेह्रा ते अट्ठै, दस्सै रूप सब संख्यावाची विशेशन न ।

(A) A कथन ते ठीक पर उदाहरण ठीक नेईं । (B) R कारण बिल्कुल स्हेई ऐ ।

(C) A कथन ते R कारण दोऐ स्हेई न । (D) A आंशिक ठीक ऐ ते R ठीक ऐ ।

10. इं'दे च संदिग्ध-अर्थक क्रिया-रूप ऐ :

(A) होआं (B) होङ

(C) होंदा (D) आं

11. डोगरी च यौगिक क्रियाविशेशनें दी रचना :

(अ) सिर्फ द'ऊं क्रियाविशेशनें दे योग कन्नै होंदी ऐ ।

(ब) क्रियाविशेशन + परसर्ग दे योग कन्नै होंदी ऐ ।

(स) संज्ञाएं दे दोह्रे रूप कन्नै नेईं होंदी ।

(द) सर्वनामें दे दौह्रे रूप कन्नै होंदी ऐ ।

(A) (ब) ते (द) ठीक न । (B) (अ) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न । (D) (ब) ते (स) ठीक न ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) गेआ होआं	(i) संदिग्ध-अर्थक
(ब) गेआ होङ	(ii) संकेतार्थक
(स) गेआ होंदा	(iii) निश्चयार्थक
(द) गेआ आं	(iv) संभाव्य-अर्थक

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

13. उच्चे, ढलदे ते बरोबर सुर दे स्हाबें इ'नें शब्दें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) चढ़, चड़, झड़ (B) चढ़, झड़, चड़

(C) झड़, चढ़, चड़ (D) झड़, चड़, चढ़

14. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A 'दऊं' ते 'दऊं' दो बक्ख-बक्ख पद न ते वाक्य-रचना च कारकी रूपायन दे स्हाबें बक्ख-बक्ख भूमिका नभांदे न ।

R की जे 'दऊं' सरल कारक च बरतोंदा ऐ ते 'द'ऊं' तिर्यक् कारक च ।

(A) A कथन ते R कारण दोऐ ठीक नेईं

(B) A कथन ठीक ऐ, R कारण ठीक नेईं ऐ ।

(C) R कारण बिल्कुल ठीक ऐ ते A कथन बी ।

(D) A कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ते R पूरा ठीक ऐ ।

15. 'बेशक्क' शब्द ऐ :

(A) परिमाण सूचक विशेशन (B) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(C) थाह्र सूचक क्रियाविशेशन (D) रीतिवाचक क्रियाविशेशन

16. 'बेद्दन धरती दी' महाकाव्य –

(अ) नायिका प्रधान ऐ ।

(ब) दा प्रकाशन 1984 ब'रे च होए दा ऐ ।

(स) च पौराणिक विशे गी अधार बनाया गेदा ऐ ।

(द) नायिका दे रूपै च धरती ऐ ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न । (B) (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न । (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) बारांमाह्	(i) पं. गंगाराम
(ब) आऊंदे न बपारी	(ii) लक्खू
(स) ल्हौर, जेहलम, गुजरात	(iii) रुद्रदत्त
(द) कंढिया दा बस्सना	(iv) मायादास

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

18. तारा स्मैलपुरी, गोगा राम साथी, मोहन लाल सपोलिया, चरण सिंह –
इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ती गेदी काव्य-पुस्तकें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ –

(i) जोत (ii) सजरे फुल्ल
(iii) हिरखी धागे (iv) फौजी पैंशनर

कोड :

(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी एसर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ गेआ ऐ ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A डोगरी च जदीद नज़्म बी लखोई ऐ ते गज़ल विधा गी बी डोगरी शायरें इ'यां खु'ल्लियै अपनाया ऐ जे डोगरी च भलेआं रचीपची गेई ते अज्ज बखली नेईं बझों दी ।

R डोगरी दी जदीद कविता दे अगुआ परमानंद अलमस्त ते पं. हरदत्त होरें गी मन्नेआ जंदा ऐ ।

(A) A कथन दी R कारण आंशिक व्याख्या करा करदा ऐ ।
(B) A कथन स्हेई ऐ ते R कथन उसदा कारण गल्त ऐ ।
(C) A कथन गल्त ऐ ते R उसदा कारण स्हेई ऐ ।
(D) A कथन दा स्हेई कारण R कथन ऐ ।

20. 'दादी' ते मा'दा प्रकाशन होआ

(A) सन् 1944 ब'रे च । (B) सन् 1945 ब'रे च ।
(C) सन् 1946 ब'रे च । (D) सन् 1956 ब'रे च ।

21. इं'दे चा प्रो. रामनाथ शास्त्री हुंदियां छंदोबद्ध कवितां न –

(अ) एह् कु'न आया (ब) तुस चुप चाप खड़ोते र'वो साथियो
(स) एह् बंजर बनाइयां कि'यां केसर क्यारियां (द) पिंजरे दर पिंजरे दी कैद
(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न । (B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (ब), (स) ते (द) ठीक न । (D) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) मियां डीडो	(i) चमुखा संग्रैह्
(ब) जोत जगै दरबार	(ii) खंडकाव्य
(स) सोचें दा सरलाड	(iii) कुंडली संग्रैह्
(द) धैथियां	(iv) भगतीवादी गीत संग्रैह्

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

23. वेदपाल दीप, रामलाल शर्मा, किशन स्मैलपुरी, शिवराम दीप गज़ल गोऽ शायरें दे स्हाबें इं'दियें गज़लें दे मिसरें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ

(i) पुच्छो जे कदें सच्च, तां उं'दी गै एह् दुनिया ।

(ii) छिक्के धरेआ सब किश उंदा, जिं'दियां इत्थै लम्मियां बाह्यां ।

(iii) सुआसें दी सरगम सदा सुखने सुआर आ ।

(iv) मित्ती बा गै सुरके हे ते मित्ती च समाना ।

कोड :

(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

24. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A डोगरी क्हानी-लेखन दे खेतरा च महिला कहानिओं दा योगदान संदोखजनक ऐ उपन्यास लेखन दे खेतरा च नेईं ।

R उपन्यास दा कैन्वस खासा मोकला होने करी लेखक च प्रतिभा, विद्वत्ता, विशाल ज्ञान-भंडार जनेह् गुणें दे इलावा समाजी ते घरेलू जीवन थमां सैहयोग दी बी लोड़ होंदी ऐ ।

(A) R कारण किश हद्दा तगर ठीक होई सकदा ऐ पूरी चाल्ली नेईं ।

(B) A कथन ते R कारण दोऐ ठीक न ।

(C) A कथन ठीक ऐ R कारण ठीक नेईं ।

(D) A कथन ते स्हेई ऐ पर R उसदा पूरा कारण नेईं ।

25. इं'दे चा फिल्मी दुनिया कन्नै जुड़े दा उपन्यास ऐ :

(A) फुल्ल बिना डाह्ल्ली (B) फ्ही केह् होआ

(C) मन्सूर ते शकीला दी दास्ताने इश्क (D) सद्धरां पोंगरी पेइयां

26. "गास ओपरा धरत बगान्नी" उपन्यास

(अ) इक बक्खरी शैली दा उपन्यास ऐ ।

(ब) पात्रें दी आत्म-ब्यानी दी शैली पर अधारत ऐ ।

(स) डुग्गर दे शैह्री जीवन दा चित्रण करदा ऐ ।

(द) चरित्र-चित्रण च कदरे कमज़ोर ऐ ।

(A) (अ) ते (द) ठीक न । (B) (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (ब) ठीक न । (D) (ब) ते (स) ठीक न ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) चाननी दे अव्थरूं	(i) डी.सी. प्रशांत
(ब) झिगड़े मुल्खै दी ब्हा	(ii) रत्न गोपाल खजूरिया
(स) खीरली बूंद	(iii) सीताराम सपोलिया
(द) किले दा कैदी	(iv) अश्विनी मगोत्रा

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

28. वेद राही, बंधु शर्मा, ललित मगोत्रा, राज राही क्हानीकारें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे क्हानी संग्रैहें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) जमीन, परशामें, आले, जींदा श्हीद (B) जींदा श्हीद, आले, परशामें, जमीन
(C) आले, परशामें, जमीन, जींदा श्हीद (D) आले, जमीन, जींदा श्हीद, परशामें

29. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A 1970 कशा पैह्ले दी डोगरी क्हानी परंपरावादी दौर दी क्हानी आखी जंदी ऐ ।
R 1970 कशा पैह्ले दी डोगरी क्हानी च किश क्हानियां आधुनिक डोगरी क्हानी दी नुमायंदगी बी करदियां न ।
(A) A कथन पूरी चाल्ली स्हेई नेईं R कारण स्हेई ऐ ।
(B) A कथन स्हेई ऐ R कारण स्हेई नेईं ।
(C) A कथन ते R कारण दोऐ किश-किश स्हेई न ।
(D) A कथन दी पुश्टी R कारण नेईं करदा ।

30. इं'दे च नरेन्द्र खजूरिया दी शाहकार क्हानी ऐ :

(A) कोलें दियां लीकरां (B) कास्तु दा काला तित्तर
(C) इक पत्तर पतझड़ दा (D) स'दद्रो दाई

31. राम-रचना :

(अ) रेखाचित्रें दा संग्रैह् ऐ । (ब) यात्रालेखें दा संग्रैह् ऐ ।
(स) दे लेखक डॉ. मनोज न । (द) दे लेखक मनोज निश्चिंत न ।
(A) (अ) ते (ब) ठीक न । (B) (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ) ते (स) ठीक न । (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) मेरी मित्ती दे खतोले	(i) वेदराही
(ब) चार दिशां चार धाम	(ii) सुरेन्द्र गंडलगाल
(स) लोक लेखै	(iii) ध्यान सिंह
(द) सोच	(iv) नरेन्द्र भसीन

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

33. व्यंगात्मक निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण ते यात्रालेख क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ते गेदे निबंधें दा स्हेई क्रम ऐ –

(i) जुले (ii) घर बदलें दे प्हाड़

(iii) अजें ते अस जुआन आं (iv) शाह् जी

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (iii) (ii) (iv) (i)

(C) (iv) (i) (ii) (iii)

(D) (iii) (iv) (i) (ii)

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे । इक गी 'असर्शन' (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ गेआ ऐ ते दुए गी 'रीज़न' (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A निबंध च लेखक दा निजिपन ते व्यक्तित्व झलकदा रौंह्दा ऐ ।

R कीजे निबंध च लेखक जे किश लिखदा ऐ ओह् अपने निजि मतं जां क्ही द्रिश्टीकोण कन्नै लिखदा ऐ ।

(A) A कथन गल्त ऐ ते R उसदा कारण स्हेई ऐ ।

(B) A कथन दा R बिल्कुल स्हेई कारण ऐ ।

(C) A कथन स्हेई ऐ ते R कथन उसदा कारण गल्त ऐ ।

(D) A कथन अस्पश्ट ऐ ते R उसदा ठीक ऐ ।

35. इंदे चा डॉ. वीणा गुप्ता हुंदा निबंध ऐ

(A) डुग्गर दा लोक जीवन (B) डुग्गर दा जीवन दर्शन

(C) डुग्गर दे प्रसिद्ध मेले (D) डुग्गर दे प्रसिद्ध त्योहार

36. डोगरी च आत्मकथा : –

(अ) लिखने दी पिरत रामनाथ शास्त्री होरें पाई दी ऐ ।

(ब) 'जीवन चक्र' नांऽ कन्नै प्रकाशत होई दी ऐ ।

(स) 'ओह् बी दिन हे' नांऽ कन्नै प्रकाशत होई दी ऐ ।

(द) अस तुस ते ओह नांऽ कन्नै प्रकाशत होई दी ऐ ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न । (B) (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (ब) ते (द) ठीक न । (D) (अ) ते (स) ठीक न ।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) बैर ते वीरो	(i) प्रो. लक्ष्मी नारायण
(ब) भागरेखा	(ii) प्रो. शक्ति शर्मा
(स) एह् नजरां	(iii) प्रो. नीलाम्बर् देव शर्मा
(द) शलैपा	(iv) श्री विश्वनाथ खजूरिया

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

38. शिवनाथ, प्रो. चम्पा शर्मा, डॉ. सुषमा शर्मा, डॉ. रतन बसोत्रा गद्य लेखकें दे स्हाबें इंदी गद्य पुस्तकें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ.

(A) परख परचोल, साहित्य परचोल, डोगरी गद्य इक परचोल, क्या एह् सच्च नेईं ऐ

(B) साहित्य परचोल, क्या एह् सच्च नेईं ऐ, डोगरी गद्य इक परचोल, परख परचोल

(C) परख परचोल, क्या एह् सच्च नेईं ऐ, डोगरी गद्य इक परचोल, साहित्य परचोल

(D) डोगरी गद्य इक परचोल, क्या एह् सच्च नेईं ऐ, परख परचोल, साहित्य परचोल

39. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

A डोगरी च 'जनौर' नाटक इक बक्ख चाल्ली दा नाटक ऐ जिसदा नायक धीरोदात्त नेईं होइयै धीरोद्धत सुआतम दा ऐ ।

R की जे कप्तान कृष्णदेव दा चरित्र अपनी मानसिक कुंठा ते भोगवादी वृत्ति दे कारण नाटक च अपनी धियू कन्नै गै छल करदा ऐ ।

(A) A कथन ठीक ते R कारण बी इकदम स्हेई ऐ ।

(B) R कारण A कथन दा स्हेई कारण नेईं ।

(C) A कथन अपने आपै च ठीक नेईं पर R कारण ठीक ऐ ।

(D) A कथन ते R कारण इकदुए कन्नै संगति पूरी चाल्ली नेईं रखदे ।

40. इं'दे चा 'आहार्य' अभिनय दा खेतर ऐ :

(A) टल्लें-कपड़ें ते गैह्नें-बंधें दी साज-सज्जा कन्नै ।

(B) वाणी दे अभिनय ते उच्चारण कन्नै ।

(C) शरीर दे अंगें दियें बन्न-सबन्नियें मुद्राएं कन्नै ।

(D) भावें ते परिस्थितियें गी आत्मसात करने कन्नै ।

41. संकलन-त्रय –

(अ) नाटक दा म्हत्त्वपूर्ण सरोकार ऐ ।

(ब) इसदे तैह्त समें, स्थान ते पात्रें दे तालमेल गी म्हत्ता दित्ती जंदी ऐ ।

(स) इसदे तैह्त समें, स्थान ते क्रिया-कलाप दे तालमेल गी जरूरी समझेआ जंदा ऐ ।

(द) दी आधुनिक नाटकें च कोई प्रासंगिकता नेईं ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न । (B) (अ) ते (स) ठीक न ।

(C) (ब) ते (द) ठीक न । (D) (ब) ते (स) ठीक न ।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) न्यां	(i) शिवदेव सिंह 'सुशील'
(ब) नदी अग्ग ते यक्ष प्रश्न	(ii) मदन मोहन शर्मा
(स) इक जन्म होर	(iii) ओम गोस्वामी
(द) महाबलिदान	(iv) मोहन सिंह

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

43. मायाराम, त्रिड्डू, फिड्डू ते चैंचलो पात्रें दे इस क्रम-अनुसार इं'दे नाटकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) आन मर्यादा, ढौंदियां कंधा, अल्लड़ गोल्ली वीर सपाही, सरपंच
(B) ढौंदियां कंधा, आन मर्यादा, सरपंच, अल्लड़ गोल्ली वीर सपाही
(C) अल्लड़ गोल्ली वीर सपाही, सरपंच, ढौंदियां कंधा, आन मर्यादा
(D) आन मर्यादा, अल्लड़ गोल्ली वीर सपाही, सरपंच, ढौंदियां कंधा

44. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A 'अल्लड़ गोल्ली वीर सपाही' इक दुखांत नाटक ऐ, इसलेई दर्शकें गी रसानंदित करदा ऐ ।
R नाटक ते नाटक ऐ, सुखांत होऐ जां दुखांत । आनंद ते प्रस्तुति दी गुणात्मकता उप्पर निर्भर करदा ऐ ।

(A) A कथन ते R कारण दोऐ ठीक न ।
(B) R कारण किश हद्दा तगर A कथन दा स्हेई जवाब ऐ ।
(C) R कारण दी A कथन कन्नै कोई संगति नेईं ।
(D) R, A कथन दा संदोखजनक कारण नेईं दस्सा करदा ।

45. इं'दे च अध्यापकें दियें समस्याएं पर अधारत नाटक ऐ :

(A) पंजरंग (B) नमां ग्रां
(C) कच (D) देवयानी

46. यथार्थवाद –

(अ) बीह्मीं सदी दे साहित्य दी प्रमुख विचारधारा ऐ ।
(ब) उन्नीमीं सदी दे साहित्य दी प्रमुख विचारधारा ऐ ।
(स) च आदर्श दा पालन नेईं कीता जंदा ।
(द) सिर्फ समस्या प्रस्तुत करदा ऐ, ओह्दा हल नेईं दिंदा ।

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न । (B) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (ब), (स) ते (द) ठीक न । (D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनिता मुखम् ।	(i) वामन
(ब) काव्यशोभाकरान् धर्मान अलंकारान् प्रचक्षेत् ।	(ii) भामह
(स) काव्य शोभाया: कर्तारो धर्मा: गुणा: तदतिशय हेतवस्त्वलंकारा: ।	(iii) रुद्रट
(द) तस्मात् कर्त्तव्य यत्नेन महीयसी रसैर्युक्तम्	(iv) दंडी

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

48. काव्य-शास्त्र दे इतिहास च काल-क्रम दे स्हाबें बक्ख-बक्ख 'वादें' दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) आधुनिकतावाद, प्रतीकवाद, यथार्थवाद ते आदर्शवाद
(B) यथार्थवाद, आदर्शवाद, आधुनिकतावाद ते प्रतीकवाद
(C) आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रतीकवाद ते आधुनिकतावाद
(D) यथार्थवाद, आदर्शवाद, प्रतीकवाद ते आधुनिकतावाद

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

49. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेदा ऐ :

A भाव जोशपूर्ण होन ते भामें अध्यात्मिक ते जां फ्ही भामें शंगारक 'प्रसाद गुण' सभनें भावें आस्तै मनासब समझेआ जंदा ऐ ।

R 'प्रसाद गुण' युक्त काव्य-भाशा सरल, सादी, आम-फैह्म ते पाठकें गी सैह्जें समझा औने आह्ली होंदी ऐ ।

(A) R कथन भामें स्हेई ऐ पर A कथन दा कारण नेईं ऐ ।

(B) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(C) R कथन गलत ऐ ।

(D) दोऐ कथन अपने-अपने थाह्र ठीक न, पर इक दुए कन्नै सरबंधत नेईं हैन ।

50. 'अभिव्यंजनावाद' दे प्रवतक दा पूरा नांऽ ऐ

(A) वेनिदेतो क्रोचे (B) विनसेंट क्रोचे

(C) वेंग्र क्रोचे (D) पाब्लो क्रोचे

51. आधुनिकतावाद –

(अ) अतीत थमां खुश होइयै वर्तमान च शरण लैंदा ऐ ।

(ब) दा मूल सुर 'विद्रोह' दा ऐ ।

(स) हर चाल्ली दे समाजी, नैतिक ते वैचारिक दमन दे खलाफ ऐ ।

(द) भारत च पंजाहें दे द्हाके च चर्चा दा विशे बनेआ ।

(A) (अ), (ब), (स) ठीक न । (B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न । (D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

52. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) संवेदन तत्त्व गी स्वीकार नेईं करदा ।	(i) धर्मचंद प्रशांत
(ब) जो है ऐ, उसदे चित्रण पर जोर दिंदा ऐ ।	(ii) आदर्शवाद
(स) डोगरी गद्य-लेखन-(अ) जादी शा बाद	(iii) रामनाथ शास्त्री
(द) डोगरी गद्य-लेखन-(अ) जादी शा पैह्ले	(iv) यथार्थवाद

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

53. डोगरी शीराज़ा दे बक्ख-बक्ख अंकें च प्रकाशत नाटक कला, डोगरी गद्य: इक परचोल, क्हानीकार ठाकुर पुन्छी ते डोगरी उपन्यास लेखें दा काल-क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(A) डोगरी गद्य: इक परचोल, नाटक कला, डोगरी उपन्यास ते क्हानीकार ठाकुर पुन्छी

(B) नाटक कला, डोगरी उपन्यास, क्हानीकार ठाकुर पुन्छी ते डोगरी गद्य: इक परचोल

(C) डोगरी उपन्यास, नाटक कला, डोगरी गद्य: इक परचोल ते क्हानीकार ठाकुर पुन्छी

(D) डोगरी गद्य: इक परचोल, डोगरी उपन्यास, नाटक कला ते क्हानीकार ठाकुर पुन्छी

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

54. हेठ दो स्टेटमैंट (कथन) दित्ते गेदे न । इक गी ऐसर्शन (A) यानि के 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि के 'कारण' आखेआ जंदा ऐ :

A लोक-कथा ते लोकगाथा दोऐ कथात्मक होंदे होई बी लोक-साहित्य दे बक्ख-बक्ख रूप न ।

R लोक-गाथा इक लम्मे आख्यान गीत दे रूप च चलदी ऐ ।

जेल्लै के लोक-कथा गद्यात्मक होने दे कन्नै-कन्नै घटना प्रदान होंदी ऐ ।

(A) A कथन ठीक ऐ । (B) R कथन ठीक नेईं ऐ ।

(C) R कथन A कथन दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ । (D) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

55. उखली च सिर दित्ता फ्ही मोह्ले' शा केह् डर ?

(A) इक छन्द ऐ । (B) इक बुझारत ऐ ।

(C) इक बाख ऐ । (D) इक मुहावरा ऐ ।

56. मुहावरा :

(अ) फारसी भाशा दा शब्द ऐ ।

(ब) अरबी भाशा दा शब्द ऐ ।

(स) इसदा मतलब ऐ-आपूं चें गल्लबात करना ।

(द) वाच्यार्थ कन्नै इसदा कोई सरबंध नेईं ।

(A) (ब), (स), (द) ठीक न । (B) (अ), (ब), (स) ठीक न ।

(C) (अ), (स) ते (द) ठीक न । (D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

57. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) गडवान	(i) सारथी
(ब) सरवान	(ii) गड्डें आह्लें
(स) हथवान	(iii) ऊठें आह्लें
(द) रथवान	(iv) हाथियें आह्लें

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

58. कालक्रम दे स्हाबें लोक-साहित्य परक प्रकाशनें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) खारे मिट्ठे अत्थरुं, पौंगर, डोगरी मुहावरा कोश, डोगरी क्हावत कोश

(B) पौंगर, खारे मिट्ठे अत्थरुं, डोगरी क्हावत कोश, डोगरी मुहावरा कोश

(C) डोगरी मुहावरा कोश, पौंगर, खारे मिट्ठे अत्थरुं, डोगरी क्हावत कोश

(D) खारे मिट्ठे अत्थरुं, पौंगर, डोगरी क्हावत कोश, डोगरी मुहावरा कोश

59. हेठ दो स्टेटमैंट (कथन) दिते गेदे न, इक गी एसर्शन (A) यानि के 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि के 'कारण' आखेआ जंदा ऐ :

A इतिहासकार, समाजशास्त्री वगैरा लोक चित्रकला गी कुसै थाह्रै दी इलाकाई संस्कृति गी जानने दा म्हत्तवपूर्ण माध्यम मनदे न ।

R जनमानस अपनें घरें दी साज-सजौट अपने कुलदेवतें ते अपने रीति रवांजें मताबक चित्रकारी करदा ते उंदी शैली ते गुणवत्ता स्थानी तौरा पर उपलब्ध समग्री पर निर्भर करदी ऐ ।

जिस कारण लोक चित्रकला अपने इलाके बारै दरशांदी ऐ ।

(A) R कथन ठीक नेईं ऐ । (B) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(C) A कथन गल्त ऐ । (D) R कथन स्हेई नेईं ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

60. लोक साहित्य दे मुक्ख भेद न :

(A) लोक-नाच (B) लोक-कला

(C) लोक-विश्वास (D) लोक-गाथा

61. काव्य-अनुवाद दी जटिलता आस्तै जिम्मेदार रूढ़ीवादी विद्वानें दे मुक्ख पूर्वाग्रह न :

(अ) शब्द-विशयक (ब) छंद-विशयक

(स) शैली-विशयक (द) कथा-विशयक

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न । (B) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (ब), (स) ते (द) ठीक न । (D) (ब), (अ) ते (द) ठीक न ।

62. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें अनूदित रचना-परक प्रविश्टियें दा दूई चंदी च उंदियै मूल भाशाएं-परक प्रविश्टियें कन्नै स्हेई तुलन मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) डाकघर	(i) गुजराती
(ब) कसाई बाड़ा	(ii) हिन्दी
(स) जसमां	(iii) बंगाली
(द) अन्ना युग	(iv) पंजाबी

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

63. राजावली, धर्मपुस्तक, सिद्धान्त शिरोमणि भासरंग नांऽ दियें डोगरी च अनूदित पुस्तकें दा प्रकाशन काल दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(A) भासरंग, सिद्धान्त शिरोमणि, राजावली, धर्मपुस्तक ।

(B) राजावली, धर्मपुस्तक, सिद्धान्त शिरोमणि, भासरंग ।

(C) सिद्धान्त शिरोमणि, भासरंग, धर्मपुस्तक, राजावली ।

(D) धर्मपुस्तक, राजावली, भासरंग, सिद्धान्त शिरोमणि ।

64. हेठ दो स्टेटमैंट (कथन) दित्ते गेदे न । इक गी एसर्शन (A) यानि के 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि के 'कारण' आखेआ जंदा ऐ :

A कुसै भाशा दी सग्गोसारी च 'अनुवाद' नुमायां भूमिका नभांदा ऐ ।

R इस कन्नै इक ते साहित्य दी मात्तरा च इजाफा होंदा ऐ ते कन्नै नमें साहित्य दी सिरजना आस्तै प्रेरणा बी दिंदा ऐ ।

(A) A कथन दा कारण R स्हेई ऐ ।

(B) R कारण A कथन कन्नै मेल नेई खंदा ।

(C) A कथन ते R कारण दोऐ आंशिक तौरा पर स्हेई न ।

(D) A कथन स्हेई नेईं, R कारण ठीक ऐ ।

65. कविता दा अनुवाद उ'आं गै नामुमकन ऐ जि'यां संगीत दा अनुवाद ।

(A) वाल्टेयर (B) नीडा

(C) कैटफोर्ड (D) वाल्टर वेंजामिन

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

66. भावानुवाद –

(अ) मूल-मुक्त अनुवाद दे तैह्त औंदा ऐ ।

(ब) मूल-रचना दे भाव गी लक्ष्य-रचना च आह्नने दे जतन तैह्त औंदा ऐ ।

(स) मूल रचना दे शब्दें ते वाक्यें गी लक्ष्य रचना न आह्नने दे जतनें तैह्त औंदा ऐ ।

(द) हर स्थिति ते हर विधा लेई आदर्श होंदा ऐं ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न । (B) (अ) ते (स) ठीक न ।

(C) (स) ते (द) ठीक न । (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

67. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) बरसगंढे दी धुप्प	(i) मैला आंचल ।
(ब) मल्लिका	(ii) लोअर डैप्थ्स ।
(स) पतालबासी	(iii) अकाल में सारस ।
(द) नीला कमल	(iv) आषाढ़ का एक दिन ।

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

68. शूद्रक, रबीन्द्रनाथ टैगोर, धर्मवीर भारती ते बादल सरकार नांऽ दे रचनाकारें दे क्रम-अनुसार इं'दियें डोगरी च अनुदित रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) बाकी इतिहास, अ'न्नायुग, मित्ती दी गड्डी, बलिदान ।

(B) मित्ती दी गड्डी, बलिदान, अ'न्नायुग, बाकी इतिहास ।

(C) अ'न्नायुग, बाकी इतिहास, बलीदान, मित्ती दी गड्डी ।

(D) बलिदान, अ'न्नायुग, बाकी इतिहास, मित्ती दी गड्डी ।

69. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक कथन गी एसर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

A बक्ख-बक्ख संचार माध्यमें राहें माह्नू दा बहुआयामी विकास होंदा ऐ ।

R संचार माध्यमें राहें प्रसारत-प्रकाशत सूचना कन्नै सामान्य विचारधारा, द्रिश्टीकोण ते मुल्लें दा विकास होंदा ऐ ।

(A) R कथन स्हेई नेईं ऐ ।

(B) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(C) R कथन स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेईं ऐ ।

(D) A कथन गल्त ऐ ।

70. भारत दी 'प्रसारण परिषद' यानि ब्राडकास्टिङ कौंसिल दा संबंध ऐ

(A) बी.बी.सी. कन्नै ऐ । (B) ब्राडकास्टिङ बोर्ड कन्नै ऐ ।

(C) प्रसार भारती कन्नै ऐ । (D) भारत दी विदेश सेवा कन्नै ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

71. जनसंचार दे रेडियो, टैलीविज़न वगैरा आधुनिक इलैक्ट्रानिक माध्यमें दा इतिहास जुड़े दा ऐ –

(अ) ट्यूब केबल दे अविश्कार कन्नै ।

(ब) टैलीफोन दे अविश्कार कन्नै ।

(स) बेतार दे अविश्कार कन्नै ।

(द) तार दे अविश्कार कन्नै ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न । (B) (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न । (D) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

72. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) शिलालेख	(i) टी.वी. ट्यूनर
(ब) मल्टी मीडिया	(ii) कंप्यूटर
(स) सिरजना प्रोग्राम	(iii) परंपरागत संचार
(द) सैट्ट टाप बॉक्स	(iv) डोगरी प्रोग्राम

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

73. भगतां, कंप्यूटर, टैलीविज़न ते साइबर पत्रकारिता दा काल-क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(A) भगतां, साइबर पत्रकारिता, कंप्यूटर ते टैलीविज़न

(B) भगतां, कंप्यूटर, साइबर पत्रकारिता ते टैलीविज़न

(C) भगतां, टैलीविज़न, साइबर पत्रकारिता ते कंप्यूटर

(D) भगतां, टैलीविज़न, कंप्यूटर ते साइबर पत्रकारिता

74. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक कथन गी एसर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

A जनसंचार दे माध्यमें दा असर संतरी शा लेइयै मंत्री स्तर तगर दे लोकें च दिक्खने च लभदा ऐ ।

R संतरी सूचना दा मूक दर्शक ऐ, जद्के मंत्री सूचना मताबक शासन दी नीति बनाई सकदा ऐ ।

(A) A कथन गल्त ऐ ।

(B) R कथन A कथन दी व्याख्या नेईं करदा ।

(C) R कथन आंशिक तौरा पर A कथन दा कारण ऐ ।

(D) R कथन गल्त ऐ ।

75. अखबार :

(A) जनसंचार दा ठंडा माध्यम ऐ ।

(B) जनसंचार दा गर्म माध्यम ऐ ।

(C) जनसंचार दा परंपरागत माध्यम ऐ ।

(D) जनसंचार दा सारें शा नमां आधुनिक माध्यम ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com